NCERT Solutions For Class 10 Hindi (Sparsh)

CH 2 – पद

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1.पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

उत्तर: पहले पद में मीरा ने अपनी पीड़ा हरने की विनती इस प्रकार की है कि हे ईश्वर! जैसे आपने द्रौपदी की लाज रखी थी, गजराज को मगरमच्छ रूपी मृत्यु के मुख से बचाया था तथा भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए ही आपने नृसिंह अवतार लिया था, उसी तरह मुझे भी सांसारिक संतापों से मुक्ति दिलाते हुए अपने चरणों में जगह दीजिए।

2. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: मीरा श्री कृष्ण के समीप रहने के लिए उनकी दासी तक मैंने को तैयार है।वह उनकी पसंद के बाग़ बगीचे बनाना चाहती है ताकि श्री कृष्ण उसमे घूम सके। वृंदावन की कुंज गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं। इस प्रकार दासी के रूप में दर्शन, नाम स्मरण और भाव-भक्ति रूपी जागीर प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती हैं।

3.मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?

उत्तर: मीरा ने कृष्ण के रूप-सौन्दर्य का वर्णन करते हुए कहा है की उनके सर पर मोर मंख का जो मुकुट है उसमे वह बहुत सूंदर दिख रहे है उन्होंने पिले रंग के वस्त्र पहन रखे है और गले में वैजन्ती माला डाल रखी है। वह बासुरी बजाते हुए गाय चारा रहे है और बहुत सूंदर लगते है।

4.मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: मीराबाई ने अपने पदों में ब्रज, पंजाबी, राजस्थानी, गुजराती आदि भाषाओं का प्रयोग किया गया है। भाषा अत्यंत सहज और सुबोध है। शब्द चयन भावानुकूल है। भाषा में कोमलता, मधुरता और सरसता के गुण विद्‌यमान हैं। अपनी प्रेम की पीड़ा को अभिव्यक्त करने के लिए उन्होंने अत्यंत भावानुकूल शब्दावली का प्रयोग किया है। भक्ति भाव के कारण शांत रस प्रमुख है तथा प्रसाद गुण की भावाभिव्यक्ति हुई है। मीराबाई श्रीकृष्ण की अनन्य उपासिका हैं। वे अपने आराध्य देव से अपनी पीड़ा का हरण करने की विनती कर रही हैं। इसमें कृष्ण के प्रति श्रद्‌धा, भक्ति और विश्वास के भाव की अभिव्यंजना हुई है। मीराबाई की भाषा में अनेक अलंकारों जैसे अनुप्रास, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, उदाहरण आदि अलंकारों का सफल प्रयोग हुआ है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5.वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?
उत्तर: मीरा श्रीकृष्ण को पाने के लिए उनकी चाकर (नौकर) बनकर चाकरी करना चाहती हैं अर्थात् उनकी सेवा करना चाहती हैं। वे उनके लिए बाग लगाकर माली बनने तथा अर्धरात्रि में यमुना-तट पर कृष्ण से मिलने व वृंदावन की कुंज-गलियों में घूम-घूमकर गोविंद की लीला का गुणगान करने को तैयार हैं।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

1.हरि आप हरो जन री भीर ।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्यो आप सरीर।
उत्तर: इस पद में मीरा ने कृष्ण के भक्तो पर कृपा दृष्टि बनाए रखने वाले रूप का वर्णन किया है वह कहती है 'हे हरी जिस तरह तुमने अपने भक्तो की पीड़ाओं का निवारण किया है उसी प्रकार मेरी भी पिड़ाए दूर करदो। जिस प्रकार आपने प्रल्हाद के लिए नर्सिंग रूप धारण कर उसकी रक्षा की उसी प्रकार मेरी भी रक्षा कीजिये'। इसकी भाषा ब्रज मिश्रित रजिस्थानी है।

शिल्प-सौंदर्य - भाषा – गुजराती मिश्रित राजस्थानी भाषा

अलंकार – उदाहरण अलंकार

छंद – “पद”

रस – भक्ति रस

2.बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर ।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर ।
उत्तर: इस पंक्ति में मीरा ने कृष्ण से अपने दुखो को दूर करने की प्रार्थना की है। हे कृष्ण वत्सल जैसे डूबता गजराज को बचाया और उसकी रक्षा भी की वैसे ही मीरा आपसे प्रार्थना करना चाहती है। की आप उसकी भी पीड़ाओं को दूर करेंगे। इसमें दास्य भक्ति रस करा प्रयोग किया गया है भाषा ब्रज मिश्रित राजस्थानी है अनुप्रास अलंकार का प्रयोग किया है व् भाषा सराज पर सहज उपयोग में लाई गयी है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3.चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची ।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनू बाताँ सरसी ।
उत्तर: इस पंक्ति में मीरा कृष्ण की चापलूसी करने के लिए तैयार है जिससे की वह कृष्ण की भावभक्ति पा सकती है इस पंक्ति में दास्य भाव दर्शाया गया है भाषा ब्रज मिश्रित राजस्थानी है। अनुप्रास अलंकार, रूपक अलंकार का प्रयोग किया गया है।

भाषा अध्ययन

1. उदाहरण के आधार पर पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए-
उदाहरण- भीर – पीड़ा/कष्ट/दुख ; री – की

1. **चीर – ....**
2. **बूढ़ता – ....**
3. **लगास्यूँ – ....**
4. **धर्यो – ....**
5. **कुण्जर – ....**
6. **बिन्दावन – ....**
7. **रहस्यूँ – ....**
8. **राखो – ....**
9. **घणा – ....**
10. **सरसी – ....**
11. **हिवड़ा – ....**
12. **कुसुम्बी – ....**

उत्तर: चीर – वस्त्र

बूढ़ता – डूबते हुए

लगास्यूँ – लगाऊँगी

धर्यो – धारण किया

कुण्जर – हाथी, हस्ती

बिन्दरावन – वृंदावने

रहस्यूँ – रहूँगी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

राखो – रक्षा करो

घणा – घना, बहुत

सरसी – पूर्ण हुई, संपूर्ण हुई

हिवड़ा – हिये हृदय

कुसुम्बी – कौशांबी, लाल

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in